





[illegible]

दातृवायग्रंवन, धवह, मखानन्यास, धवमिनयं। रुद्रपण सवाय॥ काकूकानन  
वयं॥ १०॥ सकृयाद्व्यास, वंनव। समहीनसर्व॥ क्रूरक्रीनसिन्निधययव॥ क्रोनयानि  
मकृवाय। धवमिनवानदति, धवह, द्रुंदकृदवदरु, द्रुंदकृदपूणाविधि॥ विगखानवति। रुद्र  
रुद्रमनकाग्रवठनयानविष्यं अकृकृननागतानयनानागदयधुग। इदनलायकापयाय, ध  
१००॥ सकृयादाककृय, ताधेनागकृत्य, नकिरिगननगतायव॥ डेहनासकृमान



[illegible][illegible]



दवंधर दूं दूं रु॥ कन॥ लोह अंउलि ३ लायकं लायपाय, ५॥ १००० इनरुंदरागास्यं  
पनरु वानया नाहाथतंरुन॥ ॥ दूं सुरु दूं रु ४ दूं ॥ ॥ ॥ इवनसि, वृअंउलि लायकं ला  
पयाय, ५॥ १००० वसन लूवासगास्यं, वसनानि सा॥ नीलायाय॥ ॥ उं दूं ३ रु ६० स्वा॥  
६० उं दूं दूं अंउलि लायकं लायपाय, ५॥ १००० सुदिनिया इवालगगास्यं, धमाहिनकं  
किलन दून॥ ॥ उं दूं ३ रु ३ म ३ रु ३ रु ३ रु ३० स्वा॥ ॥ रं कृकि लायकं लायपाय, ५॥

१२००० दू साल संगस्यं, तस्य इत्यनक॥ ॥ ॥ रु ० वं धर रु ४ मा ३ नयर दूं रु ६॥ समरु, गिहा  
अंउलि लायकं, लायपाय, ५॥ १२००० गुनविनिगाख इकासगा, ५॥ इवनया॥ संड लयकं  
त॥ ॥ ॥ उं ० रु दवद रु ० दूं रु ६॥ नकचन्दन, अंउलि लायकं लायपाय, ५॥ १००० गगायाख  
इकासगास्यं, सि स्याचक॥ ॥ ॥ उं द्या घावदन रु २ दूं रु ६॥ वृयाग्वाकू वृअंउलि लायकं लाय



[illegible][illegible]



स्याय॥ ग्वाथस्वधर्तानस, साहनया, इममय, कृष्णालयाक, नयसाहृदकगारकाय॥  
कोण्डियामिष्वतनीयावाथवमिखासवीन, सुनीड्वाडावसूय॥ ॥ संक्रिययागुम्ह  
सा॥ अंजनधर्तगै। क्रसवीना। स्वकूडयावासयाहृगकोचवदसनीमिष्वेकै, धनकुन  
अंजननृय॥ उंनमाअंनंगयधननिखाहृ॥ थवक्रमखनकै, हाकृतियाही॥  
कनंरुयासावनकामिर्नकायकै। अंजनरु। ध्वअंजननथवक्रमखनकैयज्ञान

वृत्तियाकाषयावेधुमयितानहिले, काखहि धर्तयादाक, उल्लियामिष्वत॥ असाया  
नाअंजनरु, ध्वअंजनमिखासडाल, थवक्रमखनकै॥ संकाखयामाहृम॥ उंकादधर्तयिष  
नेवानंकासूथसर्थनडाव, काखइय॥ ॥ अंजय, वियामाहृमर्थरुयिय, नववय  
सूथसर्थडाव, विइय॥ ॥ वाहोल्या, र्व्यंजनयचकासुजाल, कविलेसायाधनन  
वानअंजनरु॥ ध्वनामसवीनकै॥ अंगतलेयातिना, ननूनरुमंग॥ ॥ अंजति, अ



प्रीमार्गतीत. जमलसितिलन्याव. निरालसयाय. नंबून. धूनमदगोलयाय. धवून  
नचिनस्य. धनगोल. खीनहोरनयाय. सागयादुमनेव. ० मिहिनक. संशाय. हो  
कक. ॥ उंनमावंजसुवनियंवकरखाहा ॥ खयलमिनवजयक. वसुधूठनाथ  
ससमारिनक. ॥ उवसुधूठन. उमहिनक. ॥ ॥ उंनम४विद्युक्तिदकनं३कानामुखि  
हं३कौं३रुह ॥ धमनुनहेनवयूगावलि ॥ धूय. विनामं३दंयक. धधु३खसिद्धि

५६३

श्य. धमयाहाविद्यासिधयक. न्यासयाय ॥ उंविद्युं३कखाहा ॥ दगयस ॥ कालामुख  
खाहा ॥ गिनसि ॥ हं३कौं३खाहा ॥ नेगयाय ॥ उं३३खाहा ॥ कवका ॥ उं३नरखा  
हा ॥ सिखा ॥ हं३खाहा ॥ कववाय ॥ उं३३खाहा ॥ कपालग ॥ उं३३खाहा  
॥ मसुय ॥ धन्यासुयधमनुगाये १०८ मननगादन. कूकर्मस. धनयूगायाहावठुगेव  
कायलाडा. कनीलाडा ॥ मनुसाहनयाय ॥ धिसलाडा. यासलाव. याठिकर्मयाय ॥



वर्णनिलाव, वक्कालाव, अकर्वनयाय ॥ नवक्कालाडा, दिनलाडा, ह्यायकर्मयाय ॥ उति  
लाडा, उदलान, उच्चाननकर्मयाय ॥ विगलानमाननकर्मयाय ॥ थवथवल्लिउस, क्क  
र्मनांसिद्विशय ॥ धवववलामाला ॥ कयलान, कगिलाडा, दोचावेलस ॥ विंसलायासुलाडा,  
मंलाउवन ॥ वर्णनिला, वक्कालान, यरुल्लिस ॥ गडाक्काला, दिनलाडा, वाक्किस ॥ उतिना  
नइयरुनस ॥ सुलावीगन, मंश्वास ॥ धलिउसह्यायार्थ ॥ क्ककर्मन ॥ ॥ उंविनमुत्थिमा

हायिसावि, अमूक, रुनरयवरहीधुव ॥ मातायस्वाला ॥ धमकुत्रययार्थ ॥ रुनुकर्मसि  
द्वि, धमूलमकु ॥ क्कमगमलावननरुत्रययार्थ ॥ वायाव, काखायडगव, लाहानमंनव ॥ ॥  
उंकीव अंयवमंयुलव ॥ अंयुंकीउंयुं कर्मगमलावन ॥ रुत्रययमथाय ॥ २ उंययुं  
किनायुंकीवसंताय अत्मानन ॥ निश्वासुयामि ॥ उंयुंवाकुंयुं, यंकीवसुताय अमंन  
निश्वासुयामि ॥ उंयुंसकलसखयविनाताया ॥ अत्मानननिश्वासुयामि ॥ उंयुंममममयदुं २



वृद्धवर्मासयसनलंगकामि. नित्यसुखिया नसाहि. सर्वश्रयागउद्धविजकिनी॥ ५ विनखनी  
 दविवाधिसुखमहामनविस्मय. लात्राचनसनलंगकामिनित्यसु॥ समन्तालुनकुमासर्वव  
 नोवनाश्रुत्यानलायलाकसामाधसिद्धिसुमखा ४ सर्ववृद्धवाधिसुखा अहंमसूकनाम ०  
 मावेनामवादाव्यावदावीधिसुखुनिख्यदना॥ ६ त्यादयामियनमवाधिविदुसनुनय  
 धागियाधिका नाथासुवाध्याकनिधया॥ निविधानीनसुआश्रुश्रुनेधर्मसुगहसारा

धेक्रियाणीनंचयगृह्णास्यं॥ ६८ वृद्धाउत्तमश्रुतिनलागमनूतना. अद्यागृह्णतं गृह्णामि  
 त्वम्वनं वृद्धयागजावजघाश्रुमूलाश्रुयंति गृह्णामि ४॥ १४ अवाधैश्रुगृह्णामिमा  
 हवज्जुनाचय॥ चउदानयदास्यामिषट्ठेचोश्रुदिनेदिने॥ मरुतल्लुश्रुनयाणसमय  
 चमनोचम॥ मद्धमपतिगृह्णामिवाकउदेनियानका॥ मरुयधमश्रुतसुद्धमाहवाधिसुम  
 दुर्व॥ सध्वनसुधर्मयुक्पतिगृह्णामि सर्वसु ४ पूजाकर्मयथानआमहामिश्रुवाचर्या॥



उंवाद्यित्वायमवाधिविउमनुरुनं॥ गृहिवासमन्त्राद्यसर्वसखाथकानलग्न॥ अतिशु  
कानयित्वाभि॥ आकाशावयामर्हं॥ अस्माकानासासयामिस्त्वानस्वाययिष्यामिनिव  
गोवना॥ ॥ गृहसमाधिमदाववस्माकानासगद्यस्वद्वयशकानगश्चिमात्रन  
ननिनदरुतामकंसर्वनाकधाउवनिनासासाकथ॥ विरुमन्तावद्यमावेरावा॥ इत्युक्तव  
स्वधा॥ सर्ववर्मास्वरावस्वधा॥ सर्वधर्मनत्माधिमध्वन्॥ तथाधर्मकयनिष्यादीहने

धर्मसंश्लोककायमयादायिउस्ववज्जदाकिन्यांभवत्ययिदवतिरिखाचमानरावेनकिञ्च  
उवज्जसस्वभवताननसिद्धिमर्हं॥ कुरुकुरुकुरुकाननाथसमथारुमर्हंनमिने॥ वववव  
जस्वठगुंशागर्हदरुध्वन्॥ अग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्निग्नि  
मगुनाकानविरावा॥ अनाहयनसद्यनिअकानादिवधुयत्तिनिअनयमयुत्तुगुम  
उल्लस्ववता॥ ततश्चमर्हंकावतत्यनीनववज्जवतठकाकस्वविमूनाहिम॥ विचि



[illegible]

ॐ नमः ॥ ४ ॥ धर्मं कर्म समये मदा. कृत्वा नृनिष्कसावरु ॥ किं क्राय. अदल. चव  
 आत्मा धर्म सुचयन ॥ धर्म नम मदा ॥ हृदय वलु विध्वज ॥ ॐ नृ सुहा ॥ ॐ नृ  
 मम ॥ ४ ॥ डा द्रु दिपे प्र सुवि कं सूर्य वलु वज आत्मा महा कान ॥ ॐ नृ सुहा ॥ ॐ नि नृ सु  
 हा ॥ ४ ॥ स्वाहा मरु मदा ॥ नृ निष्क ॥ यूथादि. नत नृ त्यादि वृथ ॥ घृष्ठा वाक्य  
 न ॥ ॐ वज सुनये सयधना नृ न दं न न ॥ नृ नृ ग विमहि न सुव लु विना सनय ॥ शवा















[illegible]

विष्णुसंयसनाय

स ॥ सूर्यमनु ॥ डीं डीं दं ॥ रुस्य ॥ सूर्ययमनु सूर्यमनु ॥ उं आदी को ॥ यानमनु ॥ ॥  
 उं विमवाननी विसनासनी उं गनु वडगनु दं स्वाहा ॥ धमनु, दायकोस, यत्रिमनला  
 रुथननु, रुव, वियाकोस, नसनाय ॥ ॥ मिद्धिउनु आ हा हा दं रुठ स्वाहा ॥ धमनु  
 ॥ कं धनक ॥ रुया हा लयाव, कस रुठ निहायकं, मनव कस रुवना, धमनु लं खस नयाव, रु  
 युयं, धाल ॥ गीनक, कोखनमगावलमाना ॥ धनमवलसा, कनियाव रु रुस था नकं नकं



ब्रह्मविद्यायाः

धर्ममन्त्रया, धर्मब्रह्मविद्यायाः काथयन्ना ॥ ० ॥ उं ह्रिं क्विं क्विं मन्त्राख्य नमन (निवि  
कला सयव्वं नार्धन, वल्लभयें नय, हारुय, नस्येन ॥ धर्मकुन, हिलिप्यं नकं, का  
कथाचमन्त्राव ॥ ० ॥ आनिदाविकलिं व ॥ उं नक माधिववव, मागवव व वृत्तगुरु  
दं ॥ अलं ॥ अयय, धर्मनहिलिप्यमनु ॥ ० ॥ उं यव्वं नय ॥ उं नगदं दं सव्वन (नम  
मन्त्र ॥ ० ॥ अलं ॥ अयय, सनायमनु ॥ ० ॥ उं वज्रया निदीडावीडां (ग. कार

### मन्त्रावयमन्त्रया

यः शान्दगयिर्ग ॥ मन्त्रावययाव, लखनानक, मिसाकनन अयवा नयायमन्त्र वग  
इना ॥ ० ॥ उं मूलादूधनिकाया उरुं नदिगगनाया अरुं नदिगगनाया समसुयूषिकया स  
हिता ॥ कनकनमालया नसा, सकनगाड, नागमनु ॥ ० ॥ उं रुं मा रुं कमा ॥ हिं व, स्यं धू  
का कलं य स रुं स्यं नानक, यक इव न्यासिकभावा, ननातं वायक, प्रामकनां मन्त्रव  
ना ॥ ० ॥ यिनवावया, रुलकं सनाति, नानकं नायुख ॥ ० ॥ उं डीं रुं विननरुं रुं



विदुः वदथा

स्वाहा॥ धमस्तु, धनसवासां, नृगनसग, विक्रमवयक॥ ०॥ उँकी ० य हा जीव धनाय इँ  
रुँ स्वाहा॥ य का सेनि, वनक मनु॥ ०॥ उँकी ट स्वाहा सर्वका ट स्वाहा॥ सा रुययं, वा स्वा  
कं थाय स नस्थ, वा स्वा क नास॥ ०॥ उँन सी वि स्वा मि गाय ग कि नी, हु मि कि थ ल द या च व या  
दे व या म्, र्वा य मां वि ग सि द्वि स्वाहा॥ ध या ख, र्य गा क स्व स्यं हा व, ज़ि लि स्वा नि क हा  
थ का या व, था क सि नी या लू र्वा स ना थ, ध का सि नी न म स, ख न क, वा स वा व ल य या

गरुड॥ ०॥ उँन सा आ ग क नु य न रु द्वा नि क, उँ ईं ऊं ऊं कं थ नि र ऊं द नी (ग व नि  
स न न ऊं रु ट स्वा हा॥ कि मि द व या, ध न स्व य, क द य क॥ ०॥ उँ मा या वं ऊं, त न ई  
गां स न मू ख न न, ग न कं (ठ न स मं द स्या अ र्ही ल रु क य ग, अ स न ग नू, कि न न ग रु  
य न्नी म् स व म द न ग आ ग ति क व नि रु क थ ग, अ म क र थ म अ रि लुं ऊं रु ट स्वा हा॥  
वा त र १ य ग स्व य कि लु म डी रु, नू न क उ य कं रु ना॥ ०॥ उँ वि सा व य न व स व र्वा



यदवनासनीस्वाहा ॥ धमनुन, सोऽयं ध्यातुमाय, मवावायमहाया, तनानवा  
यक्रया उरुम ॥ कलेन ॥ ॐ नाना नमनिनाम ॥ रक्तं रक्तं मूवधि घट्टा  
हा ॥ वगधकनकाययाव, भावावायमहाया, वसधनसचकहा ॥ ० ॥ ॐ नाना  
पूषा ॐ श्रीगोत्री ॥ ३ कोऽष्टी स्वाहा ॥ धमनुन, स्वानरुययं, कुवक, तीसागा, सीनिया  
य उरुम ॥ ० ॥ ॐ मलययवर्गं श्रीगोत्री ॥ ३ कोऽष्टी स्वाहा ॥ वनरुययं, भावसंनवक, मीसा

गोवस ॥ ० ॥ ॐ कुरुं चं कुरुं कुरुं ॥ ५१० कववमनु ॥ ० ॥ ॐ नमो गवतं जानि  
 कसिद्धि रूनवित्राम् ॐ कीरं कीरं ॥ जिद्यंगमनमनु धा ॥ ० ॥ ॐ नमो वद कवे  
 ववायं नरं रुरुं साहा ॥ स्यामया कववमनु ॥ ० ॥ ॐ नमो रुरुं नमः ४ दय ॥ ॐ नमः  
 क्रम ॥ जिज्ञिषमसाहा ॥ ॐ नमो वद ॥ जिखायां ॥ ॐ यद्यनव ववाय नद ॥ ॐ नमः ॥  
 रुरुं ॥ धनं नमः ॥ साहा वद कुरुं कर्म यतीव ॥ ० ॥ ॐ नमो नमः ॥ नमः ॥ विनं सा



हा॥ लखरूपयं नानक, पागियायं माहेवक्र, जिवख॥ ० ॥ लाव्यलानं श्रवमिद्य  
 कनश्रवयिग्रस्यनश्रवयि॥ ॥ श्रवि, शाययंनक, थवक/कवान्यमकु, नामक्रिधन  
 मान॥ ० ॥ ॥ ॐ सिद्धिउन्श्रुहा ४ कामूननदायूलरुनीका॥ ॥ ॥ ॐ रुद्रयंमाउ ॥ ॥ कयय  
 य॥ ० ॥ ॥ ॐ कामूलिकाश्रुहा ॐ मादनिविक्रयानि श्रवमयलारुंरुंखाहा॥ ॥ ॥ ॐ  
 वया॥ ० ॥ ॥ ॐ ॐ ववावरुयककर्णुं नर्वकर्णुं दाककर्णुं ४ मच्छिद्यनाथ, आदिना

थ वीर्वागेनाथंभनासनीनविष्टुयागनजाकना॥५३॥थमनुन.शाहीवाग्वन४  
 क्षधनयाय विवकसंतित्य.रुगादिरुयतागनजा॥०॥॥३॥उत्तरंनवाष्टुयम  
 नु॥०॥॥३॥अनूलगतदुरु॥निवासाकयय॥०॥॥३॥वानकामावी४नित्यव  
 वागनी४देवीच्यवक्षनली४सर्ववस्तुविधिवहनली४कादयसाहा॥वानसगवद  
 लहाव.अनूलगतकाय.रुमशयू॥०॥॥३॥सिद्धिउम्हा॥वाच



वधोनामिसिद्धिउडमवावेसिद्धिसुचीनलागवहानिकनामभभामनननिनयवादिम  
नयगांसहवकिदाया॥५॥३॥आदिगवानकृद्रुजाययभाहनीरुयमिखाउभ  
मिलिवसयायइना॥०॥३॥उंनमाकामाकादवधुनयतन्त्रेद्रुनधुनेकसवान्श  
नवाहानियनियामात्रीनानीनवरुय४घनद्रुवाननहनयघननहनपड्डीगृह  
कनकासा४धुनीयावाहानी४ननयूनीयामात्रेनात्रीहाननवानिया०नानियालकाद

हानियासिद्धिउंन्यावकामानूकामावावरुहसिखनरुनेमकुमहववननयाय  
साकाविननरुलुयिलुयानालिहनीपुलमतिक्म००धुनेमायायिधुनद्रुल  
यानालिहनीपुनेमतिघनरुगिनयानिकनी॥५॥३॥समम्यातयात्रवेन॥६॥साकसा  
रुकाकावक्यमिसानखनकास्यगाननेमद्रुहनीस्वानसुप्रययायमिसा  
वकेधमवगनकेसिद्धीहवखरिड॥॥



यका, वेष्टि इना ॥ ० ॥ नूना श्रीकिष्कनाहवक

सुवर्णस्य ॥ ० ॥ ईश्वरः समस्तं मा भिज्जायते ॥ गङ्गा नदी

॥ उ न म र स द्ध व स ॥ स न व ल ३ ॥ ग न ॥ न ग थ ॥

मणिसङ्ग्रहं स्वावकं ४॥ ७ ॥ श्रीलक्ष्मीदेवि नमः ॥

१०४

श्रीगणेशाय नमः ॥ १०९ ॥

विष्णु आशा



लिसं, रुतियाखि, हंस, वेला, वाक्मनयास, वीया, त्वलि, मांढ, दंतवृष्टु, मन्च, धन  
वृष्टुयादुष्ट, यव, खान, दव, थायस, मान, कुर्यके, धूपकचके, विसृष्टिवावया, नायू, खा॥  
॥ ॐ ॥ ॐ वृन्तुं रुरुं खा॥ ॥ भववन्तकमन्त ॥ ॐ ॥ ॐ सर्वदवतानादिदुःखाय नमः ॥  
ययमायाभिना, कसा, रुगा, रुचि, विज्ञि, जक, गन्धर्व, सुनगन्तु, किन्तु, नमः, रुचि, नग, रुचि,  
चै, सज्जग, विज्ञरु, निरु, रुनी, मादनि, आक, कानी, कर्ल, कुरु, गम, रुचि, नवी, सर्व, ना, दासा, रुचि,  
॥ ॐ ॥ सर्वदगनि, वन्तनी, ॐ मन्च, रस, गन्तु, रुचि, रसा, हा॥ ॥ मन्च, यर, खा॥ ॥ ॐ मन्च, भागी,

निघानि रखाहा ॥ उं कालि रमहा कालि स्वाहा ॥ जातु नमंनु ॥  
 स्वाहं स्वाहा ॥ आ न रोगीया जातु नमंनु ॥ ० ॥ कूं रं स्वाहा ॥ धमंनु न  
 र्य वान्य मच्छान के ॥ ० ॥ उं सिद्धिं उ नू आ ह्मा ॥ कालियू ता कालि ला गि भा ना म्, गा  
 म्य ना रु कि रु रु ना हि रा रु वा च, रु व यू ना जा डा व न्ना सिद्धिं उ नू आ ह्मा धमंनु स्वधन  
 ला म थ हा व, सुं उ न क्का नू थ य, सुं रे या ना मा द्दि थ न्ना, य्मा म त द्वां जा वा य, सुं रे या ना  
 न न क्का य ॥ ० ॥ न का य का यि यं उ, रु न उ, ध रं ध न रं वा व, रु स ना (य) उ ला च्चा त न ॥



॥ ० ॥ ॥ सो षोडशब्रह्म ॥ सिद्धिविनायक ॥ ॐ किमि कूट २ किमि नासि २ कि ॥ युवेदिसंज्ञका  
लंका ॥ विप्रपते किमि नाग ॥ ॥ ॥ यावद्वनयाये, निम्न, कूट ३ वलं वलीयायि २  
कोरु, ४ सेखानयाय, रुक्मनंदाय, आदिगवालकूट, धनं नैया, धनं नननं नके  
धनं नके ननयक, नौ ननमरुयक ॥ ० ॥ ॥ उका, युका, मन्थाय, जिलिखान  
रुक्म, धनं धवयनववानाव, लिंगयाभोलसयाशव, मिर्झगयाय, मिर्झ  
ननमरुयक ॥ ० ॥ ॥ ॐ नमो षोडशब्रह्म ॥ ॐ रुक्मवडुं वनर ३ युवविजसिद्धि, व

क ४ यथा हि हरे ॥ स्वाहा ॥ वीक्षानयाये, लंकायाय, भानक, वीक्षानमागइय  
॥ ॥ ॥ ॐ षोडशब्रह्म ॥ ॐ कामरुदेसे वि आयिर्वाच ४ ननयया ४ खलुनेनावचनासा  
विमलादायुवीकाजं यान, वथो, धनं नमो विव, आचारे ॥ सादयत कीनयाय, व  
नकासा जादेवी, यागिनीयसावदया ॥ ॥ ॥ ॐ धनं नकायुयावनेनके, नाजयका, य  
मान्यमोहति ॥ ॥ ॥ ॐ नमो ४ श्री षोडशब्रह्म ॥ ॐ अगवानामायि ४ सर्वनीलगत  
॥ कवालीयाये ॥ कवचमनु, नागि सर्व न्यसंतु ॥ ० ॥ ॥ ॐ ननगयाया नमावलेव



न नाना नाना कवयूत

ऊकां धायकं नृनिष्ठिरवत्तरुनर अतीर्ण रक्षर रुवकर विद्यावलि संस्कर स्वाहा  
 ॥ गमवास्थ रुचि मनु ॥ ० ॥ उं ऊालि गङ्गा न नय स्वाहा ॥ का कदू के सवा स्थि ॥ ॥  
 उं न गद स्थं वन का क, ग गम मयि न गयि दनु दि मया नय वि स चा रु व उं वि नी स्वा हा  
 ॥ ह्रस्व रु य न या व, गी न के, नाना लं, भा वा वा य के ॥ ० ॥ उं अ न्ति व सि अ न्ति व नी  
 आ नि वा रु गं द सु य वा मा य रु ठ मि व स्वा हा ॥ वी रा ज य न या व, रु व द्वा स य न स स्व व न  
 स्व क या हा व, य व स्त क व व रु ग ॥ ॥



रगमना वन न रु य स वा स्थि  
 स य न वा स द य क, स न क षि  
 न वा ना वा, य हा व न, रु रु न  
 व क क य क ॥

रगमना वन न रु य स वा स्थि व स  
 द वा नि न वा स्थि उ च्चा ग न ॥ ॥

रगमना न कं क म न रु य स वा  
 स्थि, ग न स का र्व स्थि ल जा ॥ ॥







तन्मन्त्रो वनतः रुद्रयन्त्रम्  
 त्रास्यं धनकं वनस्य  
 धनवन्त्रं वनयात्रयसकं  
 सद्रुद्रयकं ॥ ॥



ॐ क ॥ क ॥  
 द व द क  
 क ॥ क ॥  
 ॐ ॥ ॐ ॥



१ कूकूम, नमो भवन, रु १ कूकूम, नमो भवन थ थं रुक्य १ रुक्य रुक्य, कूकूम, नमो  
 उ य रु स वा सी क्वाय उ स वाय, सना व स वाय उ थं, चनन, व स रु य, रु य  
 के, वाल ग रु रु न यि सना वन, कायाय, न न स थ रु रु व न न, वा सी, उ चान न  
 सा व, न जा, ना रु सी स य यू क मा न स र व ॥ ॥ म रु ॥ ॥





१८८॥ निसाया, कया,  
नकासंवाय, खयनसि  
कुष्कवस, यान, थव  
कसनउयवख ॥ ॥

१८८॥ निसाया, कया,  
नकासंवाय, खयनसि  
कुष्कवस, यान, थव  
कसनउयवख ॥ ॥

१८८॥ निसाया, कया,  
नकासंवाय, खयनसि  
कुष्कवस, यान, थव  
कसनउयवख ॥ ॥



ॐ ॐ

दवदरु लं लं  
लं लं ॥

ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ  
ॐ ॐ ॐ ॐ  
ॐ ॐ ॐ ॐ  
ॐ ॐ ॐ ॐ



उं वदु या (ल य क म ना  
य ग म ॥ अ न व क न र  
स्वाहा ध्व म कु न स्व क  
य पावे या ए म न कि  
था रु न हा र्म न म धा  
व रु न ॥ ० ॥

एकु कु म (म ना व न उ रु  
य न स वा र्म का वा य क  
वा ल ग रु ल न य न ध्व न  
या र्म य ना स न का रु ना

एकु कु म (म ली च न न  
उ रु य ग स वा र्म ग ल  
स र्व स र्व ध्व न न सा  
रा म्भ रु य व र्व व न  
न रु व द्य ॥ ॥





१ कर्मन रुद्रयणसु, वा  
स्यं नारायणसिनेव वस्य  
यं नस्या कया, द्यागस्था  
कया, मय्यस्तीवनतं  
देवीनदेवयानज ॥ ॥

१ प्रमनविज्ञयानाननज  
को ॥ रुद्रयणसुचाय, (मय्य)  
न, कर्मन, वाय, रुद्रयण  
वाल्गुरु, याशना ॥ ० ॥

१ कर्मन, रुद्रयणसुचाय  
लारायमयस्य, सारा  
म्यरुय, मानामदाया  
भावदय, हावाका  
कया, मय्युदतज ॥ ॥





श्री नारायण  
 नारायण  
 नारायण  
 नारायण  
 नारायण



श्री देवदत्त  
 श्री देवदत्त  
 श्री देवदत्त  
 श्री देवदत्त

देवदत्त  
 देवदत्त

रमिकास, किर्तिमुल्लिखय  
 क, यसव, हो, उभ, नृप  
 उभगास्ते, नृप, याक, कृष्ण  
 कलाहसगा, कलाहसगा  
 कलाहसगा, कलाहसगा  
 कलाहसगा, कलाहसगा

र कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं  
 कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं  
 कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं  
 कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं

र कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं  
 कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं  
 कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं  
 कृष्णमन्त्रालाचन, श्रीस्यं



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

|   |    |   |    |   |    |   |   |
|---|----|---|----|---|----|---|---|
| न | रु | द | वं | व | वं | द | व |
| न | रु | द | वं | व | वं | द | व |
| न | रु | द | वं | व | वं | द | व |
| न | रु | द | वं | व | वं | द | व |
| न | रु | द | वं | व | वं | द | व |
| न | रु | द | वं | व | वं | द | व |

मम दय व ज म म



एव सव, ह्रीव समान  
या, भयूत कायन सखा  
स्य, येन कानस, धूढन  
ला क न म म न क रु ज्ञा ॥

एकं कूम, ग्यत्रावन, रुद्र  
पण सखास्य, नारायण स  
स्य, लक्षा, यत्न स्या कया  
ग्वयन काव, दव दवति  
वक्षा ॥ ० ॥

एकं कूम, ग्यत्रावन, रुद्र  
रुयण सखास्यं नक्षा, यिमा  
याया, लिखिनीयादाव, द  
वेन याति न वाय, लकोल  
स, धदाव, नय कय याय ॥



ॐ

ॐ



एवलि नवसथाय, सिय  
तिसथाय, यावधनन  
(भवमनव लनवननं  
रुनयायशुभा॥

१ कंकम, (मनावनन  
श्रुतीधूनवायाव, कंच  
सनावसथाय, सनाडांन  
थाय, दवत्यस, सफयाना  
मथाय, वक्रासदाहक,  
आकनमननक, शुभा॥

१ कंकम, (मनावनन, रुत  
यगम, वासी, नाहाथस  
वासी, डीसयाय, मिथयन  
मिसाथयन, वसयाय  
जिवशुभा॥





एककुम (ग) वा वन न वा सी  
 ना हा थ स, वे सी, वू थ ना  
 य या, वा को स या, ग्व य न  
 के, द व नि द व या न ना  
 ध म नु श ना ॥ ० ॥

एककु<sup>म</sup> (ग) वा वन न, उ  
 रु य ग स, वा सी, घ न क  
 छि स (थ द न), वा वा स यू श  
 या य, व स या य ॥ ॥

१ (ग) वा न न, उ रु य ग स,  
 वा सी, मि सा या क या न का स  
 स वा य, ख न सि ह वा न  
 स, य ने, मि सा व स श यू खा ॥





१ यशव. द. व. न. गी. व.  
 उरुयणसखास्य, गुरु  
 नखा गवानककावाका  
 स्य उरुयणस इयन  
 द. वा. कु. मा. य. वी. या  
 नयलथयस थुरुन  
 प्रया. घान. स्या. के. ॥

१ मि. को. स. य. स. व. न. वा.  
 स्य. मा. व. न. द. व. न. गी. न. यं  
 वा. व. स. उ. वी. न. न. या. य.  
 उरुयणस. ध. स. न. व. ॥

१ उरुयणस. कं. क. म. न. (मा.  
 वा. व. न. न. सा. स्य. व. न. य. स.  
 थ. दा. व. ग. द. द. य. के. ॥ ० ॥



五

१ श्वनवकाथा रं कु उरु  
यशमवासी, मूखमवा  
नवाय, धनुनामवाय  
भव्यानामवाय, लेखद  
नय, डामनकुशना॥





उं रुसदवदलं सकुडं

ॐ कोसदवदलं उं दूकोकोउं  
ॐ उं रुसदवदलं उं दूकोकोउं



१ धसायादसवाहवा, विनका  
लयावा, खासियाका, मसान  
यावा सवालियाहवा, शुक्र  
याखननन्याहावा, धन  
नघनदयके (मभावन, उरु  
यसवासी (धसूखदयको॥

१ ककुम, (मभावनननउरुय  
गसवासी, धीवदवसकवठा  
वु, साधनयाय, इदतयूगाया  
य, वंवनभाहूयाय ॥ ० ॥

१ उं नभाचरुवालियाहवर  
गृह्णरस्वाहा, वनय, धात  
१०४ धलिरु, धनिरिया  
यहूया ॥ ० ॥





शमिकया लसि, दूधनति  
वृषास्य, वामसुनस्यं नन  
याय उच्चो नन याय रुला  
वंगन रुना ॥ ० ॥

एकं कमलाली वन, रुद्रय  
वसवोस्य, साशनी रुयू, भा  
वामदवया भावा दयूव, वा  
कावा कासिकया, अरुनु  
कोठा न, भावा म्वायू वखा ॥

एषादि नवमचास्य (पुलून  
यास्यं न थमवख काय मस  
यक रुना वंगन न ॥ ० ॥





रुठदरुठनदवदरु  
को नल गे रु

रुमभाव न रुयय  
सवा स गन स ना हा न  
स च म्यो ग धन न ग रु  
ल स न ध व ल क स रुय  
॥ ० ॥

रुमि को स य स व रु व न वां  
स्यं माल न इ व ल गि न  
वान स उ च्चा न न य य रु य  
व म न व ॥ ० ॥

रुहिव य स व न रु य य  
स वा य मि को स रु वि नि या  
रु आ दि व रु न व ल का न  
रु रु को न क य क भ न म  
वा य क व न व को स रु  
॥





कुदवद  
कुलकु



हर्कं कृम, (मम सातन, उरु  
बुध सखास्यं, कुरुते, मिसा  
विगामादियक, धनक  
याहिव, रुगियाहिव  
नीयच्छा, यिवं कासं  
गस्य, नियनखकाय  
स, मरुगधमगन॥

१यस, हि, मसानुपल  
उरुयण सखास्य, ला  
लाथ, गनसवस्य, य  
मिसानका, वनमदय  
कश आ, वगनन॥ ॥

१मालानुर्कंकमन, वास्य  
मला, कभाहति, आ  
नका, धवनालाथसव  
स्य, यष्टिगांनिहयव  
॥ ॥